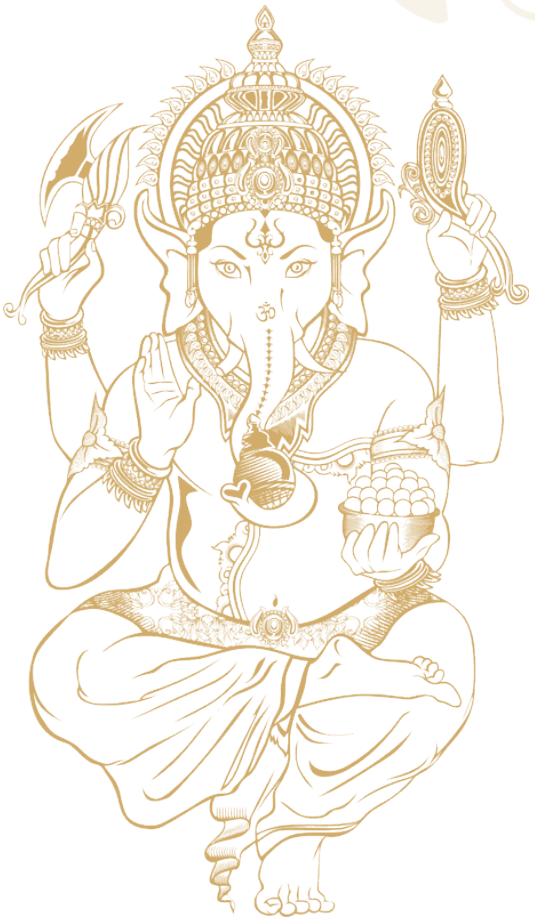

B

G

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121458107

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/03/1998	जन्म तिथि	30/10/1999
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:40:00	जन्म समय	21:50:00 घंटे
घटी 25:29:44	जन्म समय(घटी)	38:07:41 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Ajmer
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:06	सूर्योदय	06:39:07
18:39:02	सूर्यास्त	17:50:48
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 2वर्ष 2मा 12दि	13:06:16	सिंह	लग्न	मिथु	15:46:15	गुरु 1वर्ष 1मा 7दि
राहु	08:47:11	मीन	सूर्य	तुला	12:56:32	बुध
05/06/2017	05:06:26	मक	चंद्र	कर्क	02:24:47	08/12/2019
05/06/2035	20:37:26	मीन	मंगल	धनु	16:05:52	07/12/2036
राहु 16/02/2020	26:26:44	मीन	बुध	वृश्चि	06:03:09	बुध 05/05/2022
गुरु 11/07/2022	17:23:36	कुंभ	गुरु व	मेष	05:08:51	केतु 02/05/2023
शनि 17/05/2025	22:23:04	मक	शुक्र	सिंह	26:27:05	शुक्र 02/03/2026
बुध 05/12/2027	26:52:50	मीन	शनि व	मेष	20:24:17	सूर्य 07/01/2027
केतु 22/12/2028	16:33:38	सिंह	राहु व	कर्क	14:41:36	चन्द्र 07/06/2028
शुक्र 23/12/2031	16:33:38	कुंभ	केतु व	मक	14:41:36	मंगल 04/06/2029
सूर्य 16/11/2032	17:42:17	मक	हर्ष	मक	19:02:08	राहु 23/12/2031
चन्द्र 18/05/2034	07:51:20	मक	नेप	मक	07:48:52	गुरु 30/03/2034
मंगल 05/06/2035	14:11:26	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:14:50	शनि 07/12/2036

लग्न-चलित

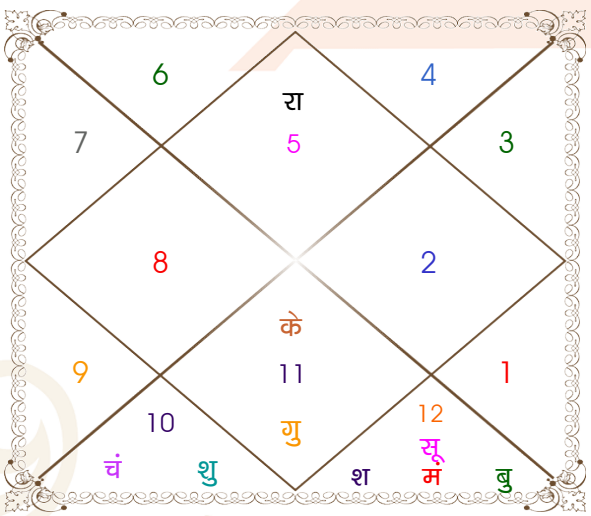

लग्न-चलित

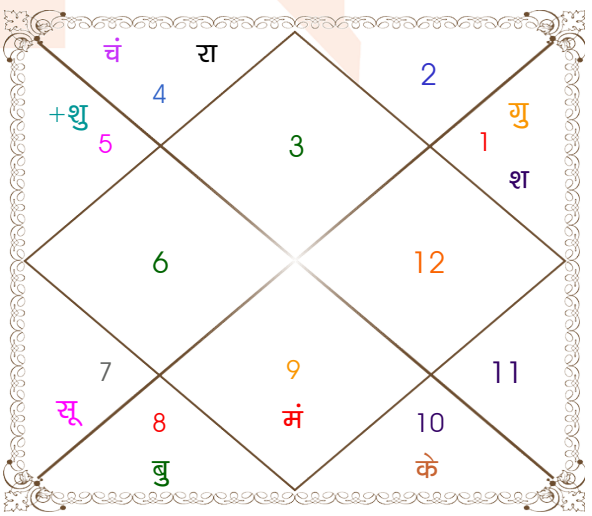

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

B का वर्ग सिंह है तथा G का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार B और G का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

G मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि G कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि G कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

B तथा G में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।